प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं को सुलझाने के लिए दूसरे देशों के साथ द्विपक्षीय करार

1346. **श्री अजीत जोगी:** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार भारत से अन्य देशों में गये प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं को सुलझाने के लिए द्विपक्षीय करार करने की दृष्टि से उन देशों के साथ विचार-विमर्श करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस संबंध में दूसरे देशों के मिशनों के प्रमुखों की बैठक बुलाने का विचार रखती है; और

(ग) वर्ष 1995-96 के दौरान कितने-कितने भारतीय पुरुष और महिलाएं रोजगार हेतु खाड़ी देशों में गए है?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल): (क) सरकार ने 1985 में कतर से दोनों देशों के बीच श्रम-रोजगार संगठन से संबंधित एक करार पहले ही सम्पन्न कर दिया है। भारत और रूस के बीच सिविल और वाणिज्यिक मामलों में परस्पर विधिक सहायता से संबंधित एक संधि विचाराधीन है जिससे रूस में गए भारतीयों को हो रही परेशानियों को दूर करने में भी मदद मिलेगी। श्रमिक समस्या को हल करने के लिए द्विपक्षीय करार करने के लिए खाड़ी क्षेत्र की किसी भी सरकार के साथ बातचीत करने का कोई विशिष्ट प्रस्ताव नहीं है।

(ख) जी नहीं।

(ग) खाड़ी देशों में वर्ष 1995-96 में गए भारतीय पुरुषों और महिलाओं के सुनिश्चित आंकड़े उपलब्ध नहीं है क्योंकि ऐसे व्यक्तियों को संबंधित भारतीय मिशनों में अपनी अवस्थिति दर्ज करवाना अनिवार्य नहीं है। तथापि भारतीय मिशनों से उपलब्ध सूचना के आधार पर खाड़ी देशों में गए भारतीय पुरुषों और महिलाओं की अनुमानित संख्या दर्शाने वाला विवरण संलग्न है।

विवरण

क्र० सं०	देश	वर्ष	पुरुष	महिलाएं
1.	यमन	1995-96	400	600
2.	संयुक्त अरब अमीरात	1995-96	22,013 (भारतीय राष्ट्रिकों को रोजगार परमिट जारी किए गए। अलग-अलग ब्यौरे उपलब्ध नहीं है।)	
3.	कतर	1995-96	2,655	30
4.	बहरीन	1995-96	1,811	369
		1996 1.11.96 तक	1,459	337
5.	सऊदी अरब	1995	20,526	अलग-अलग ब्यौरे
		1996 31.10.96 तक	15,406	उपलब्ध नहीं है
6.	ओमान	1995	3,75,547 (श्रम कार्ड जारी किए गए। अलग-अलग ब्यौरे उपलब्ध नहीं है।	

Financial Assistances to the Handicraft Corporation in Bihar

1347. SHRI S.S. AHLUWALIA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that